***प्रेस विज्ञप्ति***

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
# पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

पंतनगर। 9 मार्च 2026। विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई तथा डा. आंबेडकर चेयर के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपने विचार एवं रचनात्मकता व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना तथा समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना था। विद्यार्थियों ने महिला सशक्तिकरण, समाज में महिलाओं की भूमिका, प्रेरणादायक महिला नेतृत्व तथा लैंगिक समानता का महत्व जैसे विषयों पर भाषण प्रस्तुत किए। अपने विचारों के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं के सम्मान और समर्थन की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर 'सशक्त महिला, सशक्त राष्ट्र', 'लैंगिक समानता' तथा 'महिलाओं का सम्मान' विषयों पर छात्राओं द्वारा विभिन्न पोस्टर भी बनाए गए। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए पोस्टरों में उनके विचारों और रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन देखने को मिला, जो समानता और सम्मान का सशक्त संदेश दे रहे थे। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने 'लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ना' विषय पर एक लघु नाटिका भी प्रस्तुत की। इस नाटिका के माध्यम से यह दर्शाया गया कि पारंपरिक सोच और रूढ़ियाँ महिलाओं के अवसरों को सीमित करती हैं तथा समाज में सकारात्मक सोच और बदलाव की आवश्यकता है। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में अत्यंत उत्साह के साथ भाग लेते हुए समानता, सम्मान और महिला सशक्तिकरण के मूल्यों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दिखाई।

महाविद्यालय की अधिष्ठात्री डा. अल्का गोयल ने विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएँ परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने शिक्षा, कौशल और समान अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया तथा विद्यार्थियों को लैंगिक समानता के प्रति जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डा. संध्या रानी ने भी विद्यार्थियों की सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियाँ युवाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जागरूकता का विकास करती हैं।